हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 21 अक्टूबर 2024

12 स्मॉग से खतरा, मार्निंग वॉक पर जाना हो सकता है...

12 जीएनसी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं 23 से

खबर संक्षेप

1,97,314 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद

फतेहाबाद। जिला में अब तक 14007 किसानों की एक लाख 97 हजार 314 मीट्रिक टन धान फसल की खरीद हुई है, जिसमें से फूड सप्लाई ने 2415 किसानों की 39 हजार 459 मीट्रिक टन, हैफेड ने 5634 किसानों की 71 हजार 186 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी ने 5958 किसानों की 86 हजार 669 मीट्रिक टन धान की फसल की खरीद की है। उपायुक्त मनदीप कौर ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी धान की फसल को अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में सुखाकर लाए, ताकि उन्हें फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो।

बाइक की टक्कर से सब्जियां बेचने वाले की मौत

फतेहाबाद। गांव ढाणी ईसर के पास एक मोटरसाइकिल ने स्कूटी में टक्कर दे मारी। इस हादसे में स्कूटी पर सब्जियां बेचने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हिजरावां कलां निवासी रमेश कुमार ने कहा है कि उसका भाई 57 वर्षीय प्रीतम स्कूटी पर सब्जी बेचने का काम करता है। गत दिवस एक के चालक ने मोटरसाइकिल को तेजगति से चलाते हुए स्कूटी में टक्कर दे मारी।

योग नगर फतेहाबाद से विवाहिता लापता

फतेहाबाद। शहर के योग नगर से एक विवाहिता के लापता होने का समाचार है। इस बारे महिला के पति द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में योग नगर फतेहाबाद निवासी एक युवक ने कहा है कि उसकी 34 साल की पत्नी गत दिवस शाम को बिना बताए घर से कहीं चली गई है और वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उसने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है।

दुकान से चुराई हजारों की नकदी

सिरसा। गांव ढाणी शेरां में एक पेस्टीसाइड की दुकान से चोर 35700 रुपए की नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में रामरख ने बताया कि उसकी गांव में हरिया पेस्टीसाइड के नाम से दुकान है। उसने बताया कि बीती 18 अक्तूबर की दोपहर को वह दुकान के शीशे का गेट लॉक कर खेतों में चला गया। इसी दौरान एक बाइक सवार वहां आया और बाइक दुकान के आगे खड़ी की। मेरी पुत्रवधु व उसके साथ पड़ोस की एक महिला वहां खड़ी थी। बाइक सवार ने मेरी पुत्रवधु से मेरे पुत्र सुखदेव जोकि दुकान का सारा काम वही देखता है, उसके बारे में पूछने लगा।

दो युवक 6.15 ग्राम हेरोइन सहित काबू

ओढां। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव घुकांवली क्षेत्र से दो युवकों को 6 ग्राम 15 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि एएसआई पाला राम पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान गांव घुकांवली में मौजूद थे। इस दौरान गांव में मेन गुरुद्वार से आगे जोहड़ के पास एक युवक खड़ा दिखाई दिया। युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर मौके से खिसकने का प्रयास किया। पुलिस ने शक के आधार पर काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 6 ग्राम 15 मिलीग्राम हैरोइन हुई।

करवा चौथ : सोलह श्रृंगार कर सुहागिनों ने मांगी सुहाग की लंबी उम्र

रात 9 बजे निकला चांद तो आसमान में गूंजे पटाखे देर रात किसी भी होटल पर नहीं थी बैठने की जगह

सुहागिनों ने चंद्रमा उदय होने पर अर्घ देकर अपने पति के दर्शन कर व्रत खोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अलसुबह 4 बजे उठकर पूजा अर्चना के बाद सुहागिनों ने शाम को सामूहिक रूप से आरती सुनी और चांद निकलने के इंतजार में बैठी रही। रात 8 बजकर 55 मिनट पर जैसे ही चांद निकला तो आसमान में पटाखे व एक-दूसरे को सूचनाओं की किलकारियों से अपनी मुंह में अन्न डाला। इससे पूर्व महिलाओं ने चांद व अपने पति की पूजा की और उसके बाद अन्न-जल ग्रहण किया। अखंड सौभाग्य का प्रतीक करवा चौथ इस वर्ष रविवार को पूरे उल्लास एवं पारंपरिक तरीके से मनाया गया। सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु एवं अविवाहित कन्याएं अच्छे वर की कामना को लेकर करवा चौथ का व्रत रखा। व्रत रखने वाली महिलाओं में उत्साह भी देखने को मिला है। बता दें कि करवाचौथ को लेकर पिछले कई दिनों से महिलाएं तैयारियों में जुटी हुई थी। करवाचौथ का व्रत पति-पत्नी के प्रेम को बढ़ाता है, उनके रिश्तों में अटूट बंधन की डोर को मजबूत बनाता है। यह पर्व आधुनिक समाज में आत्मिक भावनाओं को प्रकट करने का शुभ अवसर होता है। आज के दिन धर्मपरायण, निष्ठावान महिलाएं नीर जल, निराहार इस व्रत को पूर्ण करके सौभाग्य की प्राप्ति करती हैं। वास्तव में यह व्रत दांपत्य जीवन के मनमुटाव तथा सूक्ष्म, विघ्न बाधाओं को दूर करने में समर्थ है। इस दिन सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके सज-धजकर, नए-नए वस्त्र पहनकर हाथों में मेहंदी रचाकर अपने विवाह के पलों को याद करती हैं। सभी प्रकार के आधुनिक खानदानी आभूषणों को धारण करके ईश्वर के समक्ष दिनभर के बाद रात को चंद्रमा उदय होने पर उसे अर्घ देकर अपने पति के दर्शन कर व्रत खोलती हैं। फतेहाबाद की भीमा बस्ती में पंडित चरणजीत शर्मा व पंडित सुरेश शर्मा के निवास पर महिलाओं ने करवा चौथ की कथा सुनी और ब्राह्मणों का आशीर्वाद लिया। व्रत खोलने के बाद महिलाएं अपने पति व बच्चों के साथ शहर के होटलों में पहुंची जहां भारी संख्या में लोग फैमिली सहित डिनर के लिए पहुंचे थे। अनेक होटलों में डांस, तम्बोला व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया हुआ था। सुबह चार बजे सास द्वारा दी गई सरगी को ग्रहण कर व्रत प्रारंभ कर शाम एक समय में पूजा-अर्चना की गई। देर रात चांद का दीदार कर और पतियों के हाथों से जल ग्रहण करने के बार सुहागिनों ने व्रत तोड़ा, इससे पहले दिनभर भूखी प्यासी रहकर व्रत का संकल्प निभाया। करवा चौथ व्रत का खुमार इंटरनेट मीडिया पर देखने को मिला। सुहागिनों के अलावा उनके पतियों ने भी अपनी पत्नी को करवा चौथ की बधाई दी। साथ ही करवा चौथ पर आधारित फिल्मी गीतों वाले वीडियो स्टेटस में डाले। वहीं फेसबुक, इस्टाग्राम जैसे साइट्स में फोटो डाले गए।

फतेहाबाद। करवा चौथ के व्रत के दौरान कथा सुनती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

सुहागिन महिलाओं ने रखा करवा चौथ का व्रत

चोपटा। गांव कुम्हारिया में सुहागिन महिलाओं ने करवा चौथ के अवसर पर व्रत रखकर सुहाग की लंबी उम्र की कामना की। रविवार सुबह से ही महिलाओं ने सजना संवरना शुरू कर दिया। इसके बाद पूजा की सामग्री लेकर महिलाएं एकत्रित होकर व्रत की कथा सुनी व पूजा-अर्चना की। फिर सूर्यदेव को अर्घ्य देकर फलाहार लिया। महिलाएं शकुंतला बैनीवाल, सुनीता देवी, संजना बैनीवाल, विमला देवी, शारदा देवी, शीला देवी, संतोष देवी, सरोज रानी, नीलम रनी, मनीषा, सतबीर सहारण आदि ने बताया कि खेतों में काम का समय तो है फिर भी परंपरा के अनुसार अपने सुहाग की लंबी उम्र की सलामती के लिए करवा चौथ का व्रत रखा है। उन्होंने बताया कि व्रत के दौरान पूरा दिन निराहार रहकर शाम को चंद्रमा को अघ्य देकर व्रत खोला जाएगा।

निर्जला उपवास रख चौथ माता की कथा सुनी, चांद देख व्रत खोला

भूना। ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में रविवार को करवा चौथ का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर चौथ माता की कहानी सुनी, चांद उगने पर परंपरानुसार चांद को देखकर अर्धर्य दिया और छलनी में से चांद के दर्शन किए और सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। सुहागिनों ने निर्जला उपवास के दौरान परिजनों की सुख- समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की। जीवनसाथी की दीर्घायु के लिए रखे जाने वाला करवा चौथ का पर्व रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने दोपहर को एकजुट होकर सामूहिक रूप से करवा चौथ की कथा सुनी। मिट्टी और चीनी से बने करवों की पूजा अर्चना की। चौथ की कथा सुनने के बाद सुहागिन महिलाओं ने सास-ससुर व जेठ-जेठानी तथा बड़े बुजुर्गों के चरण स्पर्श किए, जिनके बदले में उन्होंने सुहागिनों को उपहार भेंट किए। करवा चौथ पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में उत्साह का माहौल बना हुआ था, वहीं शहर एवं गांवों में सुहागिनों के सजने संवारने के लिए ब्यूटी पार्लरों पर काफी भीड़ बनी रही।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ सिरसा के अध्यक्ष बने जीवन ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ की जिला की बैठक का आयोजन रविवार को जिला उपाध्यक्ष नरेश जांगड़ा की अध्यक्षता में चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी में किया गया, जिसका मंच संचालन जिला सचिव जसवंत सिंह ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला के सभी सहयोगियों को एक्ट-2024 के बारे में पूर्ण जानकारी देना, उनकी समस्याओं को सुनना व नई जिला कार्यकारिणी का गठन करना था। सबसे पहले बैठक में आए हुए पूरे सिरसा जिला के अनुबंधित विद्युत कर्मचारियों की समस्याओं को सुना गया। उसके उपरांत बैठक में मुख्य रूप से मौजूद प्रदेश महासचिव ओमबीर यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष संदीप बागनवाला, प्रदेश संगठन मंत्री विक्रम श्योराण, प्रदेश सचिव चरणजीत वर्मा, प्रदेश अनुशासन समिति सदस्य जीवन ठाकुर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लोकेश यान ने सभी कार्यकर्ताओं की समस्याओं को ध्यान से सुना और सभी समस्याओं का हल बताया और जो मन भी शंका थी उसको दूर किया।

करवाचौथ है पति की दीर्घायु का पर्वः डॉ. जयप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ, सिरसा में स्थित जननायक चौ. देवीलाल शिक्षण महाविद्यालय में करवाचौथ पर मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता हुई जिसमें जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश मुख्यातिथि थे। मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्कृष्ट मेहंदी कला का प्रदर्शन किया और शिक्षिकाओं के हाथों पर सुंदर मेहंदी के डिजाइन उकेरे। छात्राओं ने मेहंदी की अलग-अलग शैली जैसे इंडो अरेबिक, राजस्थानी, गुजराती, मारवाड़ी अरेबिक आदि शैलियों का प्रयोग करके कलात्मकता का प्रदर्शन किया। मेहंदी के नवीनतम प्रचलित डिजाइन जिसमें कोयरी, फूल पत्ते, विभिन्न ज्यामितीय आकार के माध्यम से छात्राओं ने अपनी छिपी हुई प्रतिभा में नए रंग भरे। डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि यह पर्व सौभाग्यवती स्त्रियां मनाती हैं।

सिरसा। जेसीडी में प्रतियोगिता के दौरान मेहंदी रचे हाथ दिखाती प्रतिभागी।

प्रतियोगिता में रिंकू प्रथम

निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणाम में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिंकू ने, द्वितीय स्थान रानी व मनीषा ने एवं तृतीय स्थान रितिका ने प्राप्त किया। छात्रा नीलम को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। मुख्यातिथि द्वारा विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सतनारायण, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुषमा रानी, एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर कंवलजीत कौर, डॉक्टर निशा, मदनलाल, बलविंद्र, अनुराधा, लवलीन शर्मा के अलावा सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

हैंडबॉल में भरोखां ने डीघल को हराया

- प्रतियोगिता मं प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहीद उधम सिंह हैंडबॉल अकादमी भरोखां में आयोजित हैंडबॉल प्रतियोगिता में मेजबान भरोखां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गांव डीघल, जिला झज्जर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। पारितोषिक वितरण समारोह के मुख्य अतिथि संगम स्कूल भरोखां के मुख्य अध्यापक छगन सेठी ने कहा कि खेल हमें एकता, अनुशासन और संघर्ष की भावना सिखाने के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। युवा पीढ़ी को नशों से दूर रहने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सही समय पर लगाई गई एक हिट, एक किक, एक पंच, एक जंप या एक शॉट उनके जीवन में सफलताओं के द्वार खोल सकता है। इसके विपरीत गलत संगति में पडक़र लगाया गया एक कश उनकी पूरी जिंदगी को भी बर्बाद कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार, ट्रॉफी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सिरसा। प्रतिभागियों को पुरस्कार, ट्रॉफी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए।

सरकारी स्कूल के ताले टूटे, सामान चोरी

फतेहाबाद। जिले के जाखल क्षेत्र के गांव ढेर के सरकारी स्कूल के ताले तोडक़र चोरों ने हजारों का सामान चोरी कर लिया। इस बारे जाखल पुलिस को दी शिकायत में राजकीय मिडल स्कूल ढेर के प्रभारी जयपाल ने कहा है कि गत रात्रि अज्ञात चोर स्कूल परिसर में घुस गए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने स्कूल के लगभग हर कमरे का ताला तोड़ा और वहां रखे सामान को खंगाला। सुबह जब वह स्कूल पहुंचा तो ताले टूटे पड़े थे। सामान की जांच की तो पाया कि अज्ञात चोर स्कूल से सामान चोरी कर लिया।

धान की बोरियों का उठान ना होने पर बनी जाम की स्थिति

टोहाना। जमालपुर रोड पर स्थित अतिरिक्त अनाज मंडी में इन दिनों धान की बोरियों का उठान ना होने के कारण अनाज मंडी में इस समय चारों तरफ से जाम की स्थिति पैदा हो गई है। इसके चलते आढ़ती एवं किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समय जिस तरफ नजर दौड़ाओ, धान की बोरियां ही दिखाई देगी जबकि किसान द्वारा धान की फसल को लगाने के लिए मंडी में जगह तक नहीं मिल रही है। एसोसिएशन ने भी इस तरफ कोई भी ध्यान नहीं दिया है कि अतिरिक्त अनाज मंडी में आढतीयों व किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंडी आढ़तीयो ने प्रशासन से मांग की है कि अतिरिक्त अनाज मंडी से धान की बोरियों का जल्द से जल्द उठान करवाया जाए।

रोटरी क्लब रतिया डायनामिक ने गोशाला में की सेवा

- समाज सेवा के कार्यों के तहत अब समय-समय पर गौ सेवा की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रोटरी क्लब रतिया डायनामिक द्वारा समाज सेवा के कार्यों की कड़ी के तहत शहर की श्रीकृष्ण गोशाला में गौ सेवा की गई। इस दौरान रोटरी क्लब रतिया डायनामिक के सदस्यों ने गोशाला में पहुंचकर गऊओं को सवामणि व हरा चारा खिलाया। प्रधान मोहन लाल ग्रोवर ने कहा कि गऊ माता को चारा खिलाना सबसे बड़ा पुण्य व सेवा का कार्य है। रोटरी क्लब रतिया डायनामिक द्वारा अपने समाज सेवा के कार्यों के तहत अब समय-समय पर गौशाला में पहुंचकर गौ सेवा की जाएगी। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब रतिया डायनामिक का हर सदस्य सेवा कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस मौके पर सचिव विपन बांसल, कोषाध्यक्ष राजपाल ग्रोवर, अश्वनी कुमार, राजेंद्र मोंगा, एडवोकेट राजेश गोदारा आदि मौजूद रहे।

डीएससी समाज से संबंधित 34 जातियों के समूह को 10 प्रतिशत अलग से कोटा दिया जाएगा

डीएससी वर्गीकरण लागू, ढोल बजा मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा में लंबे समय से अनुसूचित जाति के वंचित वर्ग (डीएससी) की लंबे समय से चली आ रही अलग वर्गीकरण मांग को प्रदेश की भाजपा सरकार ने पूरा करते हुए लागू कर दिया। सरकार के इस निर्णय का वंचित वर्गों में आने वाले समुदायों ने अम्बेडकर पार्क और वाल्मीकि चौक में एकत्रित होकर ढोल के साथ जश्न मनाया। खुशी में लड्डू बांटे गए। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चुनाव पूर्व किए अपने वायदे को पूरा करते हुए हरियाणा में आरक्षण में वर्गीकरण को लागू कर दिया। सरकार ने डीएससी समाज से संबंधित 34 जातियों के समूह को 10 प्रतिशत अलग से कोटा दिए जाने का निर्णय लिया है। रविवार को भगवान वाल्मीकि चौक में एकत्रित हुए वाल्मीकि सेवा समिति प्रधान अशोक सरबटा, भावाधस जिला सचिव प्रोफेसर अनिल रोहतगी, नफे सिंह बुमराह, कबीर समाज प्रतिनिधि सुभाष इंदौरा, गुलाब चौहान, अशोक मीगानी, मास्टर संदीप अटवाल, राकेश सौदा, सुरेश भट्टी, सतबीर गिल और अनूप डच ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति को कुल 20 प्रतिशत आरक्षण था, लेकिन इसका अधिकतर लाभ अनुसूचित जाति वर्ग-बी के लोग उठाते रहे है। अनुसूचित वर्ग-ए में शामिल 34 जातियों के समूह को अब तक सिर्फ उच्च शिक्षा में ही अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता था। अब वह मुख्यमंत्री ने अपनी घोषणा अनुसार सरकारी नौकरी में भी लागू कर दिया है। इससे लंबे समय से वंचित यह वर्ग सरकारी नौकरियों में जाकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा पाएगा। भाजपा सरकार के इस फैसले से डीएससी समाज के हर तबके में अपना जीवन स्तर ऊंचा उठाने की नई उम्मीद जगी है। इसके लिए जिला फतेहाबाद के सभी डीएससी समाज बरसों संघर्ष करने वाले नेताओं और वर्तमान सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी, बिशम्बर वाल्मीकि आदि का आभार प्रकट किया।

फतेहाबाद। भगवान वाल्मीकि चौक में डीएससी लागू होने पर खुशी का इजहार करते समाज के लोग।

जिंदगी को आसान नहीं बल्कि
खुद को मजबूत बनाना पड़ता है।
सही समय कभी नहीं आता
बस समय को सही बनाना पड़ता है।
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम

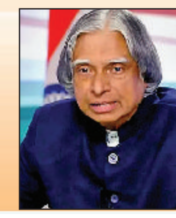

लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे।

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।
'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

कहानी

प्रवीन वर्मा 'राजन'

देवता

सभी मजदूरों के साथ सुमित्रा और कम्मो भी मुंशी के सामने इकठ्ठा हो गए।

मुंशी ने कहा- 'देखो, बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। इससे काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। तुम लोग अपना हिसाब कर लो, अब बरसात बाद ही काम शुरू हो पायेगा।' मुंशी ने सबको उनकी मजदूरी दे दी।

सुमित्रा और कम्मो भी बुझे मन से सभी मजदूरों के साथ अपने घर लौट गईं। सुमित्रा विधवा और तीन बच्चों की मां थी और बहुत ही गरीब थी। मजदूरी करके अपना और अपने बच्चों का पेट पालती थी। मगर इस बरसात ने सुमित्रा की कमर तोड़ दी थी। करमजली बरसात भी बंद होने का नाम नहीं ले रही- मन ही मन बुदबुदाई सुमित्रा।
'अम्मा तिरपाल से पानी टपक रहा है।'
'हां बिटिया,सुमित्रा फ़टे हुए तिरपाल को देखकर बोली।' पन्नी, बांस, तिरपाल तानकर किसी तरह अपना छोटा सा आशियान बनाया था। उस पर भी नगर निगम वाले जब तब गिरा देते थे। लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे। थोड़ी सी लकड़ियां बची थीं, चूल्हा जलाने के लिए। किसी तरह चूल्हा जलाकर भात बनाया और बच्चों को खिलाने लगी।
बड़ी बिटिया बोली- 'अम्मा मुझे भूख नहीं है, छोटे और दीनू को खिला दो।'
सुमित्रा जानती थी कि मुसीबतों ने नौ साल की बिट्टो को समय से पहले ही बड़ा कर दिया। थोड़े से भात से छोटे और दीनू का पेट न भर सका।
'अम्मा नमक भात से अब पेट नहीं भरता, सब्जी दाल कब बनाओगी।' सुमित्रा की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखते हुए दीनू ने कहा!
'कल हम लोग दाल बनाएंगे।'सुमित्रा ने दिलासा दी। आज तो किसी तरह समझा-बुझाकर दोनों बच्चों को सुला दिया। कल क्या होगा? बिट्टो और खुद भूखी ही लेट गयी। सुमित्रा की आंखों से नींद कोसों दूर थी। बच्चों के भूख से बिलखते चेहरे को याद करते-करते कब सुबह हो गयी, पता ही नहीं चला।

बिट्टो ने जगाया और कहा, 'अम्मा छोटे की तबियत और बिगड़ गयी।'
सुमित्रा भागकर छोटे के पास गई और उसे गोदी में उठाकर रोने लगी। बुखार से उसका शरीर तप रहा था। बरसात बंद होने का नाम नहीं ले रही। सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। मजदूरों की कोई सुध भी लेने वाला नहीं। सुमित्रा को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। वह भागकर थोड़ी ही दूरी पर रह रही कम्मो के घर गयी। दरवाजा खटखटाया।
कम्मो ने दरवाजा खोला और बोली, 'अरे सुमित्रा क्या हुआ?' सुमित्रा ने रोते हुए कहा, 'घर में खाने को कुछ नहीं है। पैसे भी नहीं हैं कि कुछ खरीद सकूं। छोटे की तबियत बहुत खराब है। मेरी थोड़ी मदद कर दे।'
'मेरे पास भी एक दो दिन की व्यवस्था है। अगर मैं तुझे दे दूंगी तो मेरा परिवार क्या करेगा'। साफ मना कर दिया कम्मो ने।
'...तो मैं क्या करूँ बताओ, कोई काम ही दिलवा दो', लगभग हाथ जोड़ते हुए सुमित्रा ने कहा।
'इस बरसात में हम मजदूरों को कौन काम देगा। ...हां, एक उपाय है, अगर तू कर सके तो बोल।'
'कौन सा उपाय' सुमित्रा बोली?
'वो जो छोटे ठेकेदार साहब हैं, यहीं पास ही उनका घर है। उनके घर जा, वो जो कहे वो कर देना बस। समझो तेरा दुख दूर हो गया।'
'क्या करना होगा मुझे' -सुमित्रा ने पूछा।
'अब इतनी भोली भी मत बन', कम्मो ने क्रोधित होते हुए कहा।
'मैं सही में नहीं समझी कम्मो। तू साफ-साफ बता।'
'उनकी इच्छा पूरी कर देना बस, वो तुम्हारी गरीबी दूर कर देंगे।'
'ये क्या कह रही है तू, मदद नहीं कर सकती तो गलत सलाह तो मत दे', लगभग चीखते हुए सुमित्रा ने कहा और वहां से भागकर अपने घर आ गयी।
बिट्टो ने पूछा- 'अम्मा कुछ खाने को लायी क्या? दीनू और छोटे बहुत भूखे हैं।'
सुमित्रा ने अपना सिर न में हिला दिया। क्या करें क्या न करे। इसी उधेड़बुन में शाम हो गयी। वह किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी। पिछला उधार होने के कारण उसने भी भगा दिया। रात हो गयी किसी ने मदद नहीं की। बच्चे भूख से बिलख रहे थे। उसने खुद और बिट्टो ने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। बरसात रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सुमित्रा स्वाभिमानी औरत थी, जिस्म का सौदा उसे मंजूर नहीं था।
लेकिन छोटे की बीमारी, भूख, टपकता तिरपाल आज उसे अपने स्वाभिमान से समझौता करने को मजबूर कर रहा था। उसका मन उसे धिक्कार रहा था कि तू कैसी मां है, जो बच्चों की भूख भी नहीं मिटा सकती। अचानक आंसू पोछकर वह उठी और बिट्टो से बोली, 'बिट्टो तू छोटे का ख्याल रख , मैं कुछ खाने को लेकर आती हूं।
'अम्मा जल्दी आना, बहुत भूख लगी है।'
सुमित्रा भारी मन से कम्मो के बताए पते पर चल दी। थोड़ी ही देर में वह उस घर के सामने खड़ी थी। दरवाजा खटखटाया तो एक बूढ़े ने दरवाजा खोला और पूछा- 'क्या हुआ, किससे मिलना है?'
'जी बाबू जी से', सुमित्रा बोली।
'अंदर आओ, तुम तो पूरी तरह भीग गयी हो। ये लो अंगौछा, इससे सूखा लो खुद को।'
अंदर से आवाज आई, - 'कौन है काका?'
'आपसे मिलने आयी है ,भेज दूं' बूढ़े काका ने कहा।
'भेज दो।'
'जाओ बिटिया।'
बिटिया शब्द सुनकर सुमित्रा को कुछ अपनापन महसूस हुआ। सकुचाते हुए सुमित्रा अंदर चली गयी। एक बड़े से हाल में चश्मा लगाए ठेकेदार साहब बैठे थे। उन्होंने पूछा, 'कौन हो तुम और हमसे क्या काम है?
'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।
'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।
'बाबू जी मेरे पास आपको देने के लिए इसके अलावा कुछ भी नहीं है।'सुमित्रा बोली।
'पहले अपनी साड़ी पहनो' - ठेकेदार साहब बोले। 'तुमको किसने ये सब बताया?'
'जी कम्मो ने।' सुमित्रा बोली।
'किसी की मजबूरी का फायदा उठाना मेरे संस्कारों में नहीं है। मैं कोई ऐसा वैसा आदमी नहीं हूँ। तुमको किसी ने गलत जानकारी दी है।' फिर उन्होंने काका को आवाज दी।
'जी, साहब जी।'काका बोले।
'काका, इसको कुछ खाने को दे दो और ये कुछ बुखार की दवाइयां पड़ी है वो भी दे दो।'
काका ने एक बड़े टिफिन में ढेर सारा खाना और दवाइयां सुमित्रा को दीं।
सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि कम्मो ने जिस आदमी के विषय में क्या बताया था, वह तो देवता निकले।
खाना लेकर सुमित्रा जैसे ही निकलने लगी। बाबू जी ने कहा- 'रुको।' एकदम से सहम गयी सुमित्रा। पास आकर बाबू जी बोले, 'अपना नाम तो तुमने बताया ही नहीं।'
'जी.. सुमित्रा।'
'देखो सुमित्रा, मेरे घर में मैं और काका ही रहते हैं। काका भी अब बूढ़े हो गए हैं। इनसे घर का काम ठीक से नहीं हो पाता। अगर तुम्हारा मन हो तो मेरे घर का काम कर दिया करो। बदले में तुम्हे खाना और महीने में पैसा मिल जाएगा। और पीछे एक कमरा खाली है उसमें तुम अपने बच्चों के साथ रह भी सकती हो। सुमित्रा ने सहमति से सिर हिला दिया और अपने घर की ओर चलते-चलते सोचने लगी कि आज भी इस दुनिया में इंसानियत जिंदा है।

कविता | **चीनू अग्रवाल**

ज्ञान का भंडार

नन्हे नन्हे कदमों को,
दुनिया की दौड़ में दौड़ना सीखते हैं।
मासूम से मन को,
दुनियादारी समझते हैं।

छोटे-छोटे ख्वाबों को,
हकीकत में बदलना सिखाते हैं।
हर चीज का बोध कराके,
ज्ञान को आगे बढ़ाते हैं।

तरह-तरह की मुश्किलों से,
जिंदगी में लड़ना सिखाते हैं।
मन अंधेरे को दूर करके,
जीवन को चमकाते हैं।

छोटे-छोटे पाठ पढ़कर,
बड़े-बड़े डॉक्टर, इंजीनियर भी बनाते हैं,
ज्ञान को बांट कर,
देश को श्रेष्ठ बनाते हैं।

सही गलत का फर्क बता कर,
राहों को सरल बनाते हैं।
बंद हो जाते जब सब दरवाजे,
नया रास्ता दिखलाते हैं।

कुम्हार मिट्टी को आकार देकर,
जैसे घड़ा बनाते हैं।
वैसे ही नादान मन को ज्ञान देकर,
अच्छा इंसान बनते हैं।

आने वाले कल की चुनौतियों के लिए,
तैयार यह करवाते हैं।
क्या करना है जीवन में आगे,
यह हमें सिखलाते हैं।

ज्ञान का भंडार ये हैं,
अज्ञानता का अंधेरा हटाते हैं,
हौंसले बुलंद बनाते हैं।
तभी तो यह शिक्षक ये कहलाते हैं।

क्षमा उर्मिला

अंधेरों की परवरिश

क्या ये अंधेरों की परवरिश है
जो चाँद इतना चमक रहा है

कोई तो रिश्ता है रोशनी से
अंधेरा सदियों से संग खड़ा है

जो एक दिन छू लिया था तुमने
वो पतझड़ों में शज़र हरा है

हम अपनी धड़कन से थक गये
है सांसें छोटी या दिन बड़ा है

उदासियां क्यूँ हैं हर ख़ुशी संग
दिल लम्हे लम्हे से लड़ रहा है

सुना है मैदाने जिंदगी में
कभी ख़ुशी का शहर रहा है

दिया था चुपके से मुठ्ठियों में
मेरा भरोसा कहाँ गिरा है

बड़ा है तन में, अड़ा है मन में
ये दर्द थोड़ा सा सरफिरा है

मगर प्रभू साथ चल रहे है
ये आसमानों का फैसला है

अगर में बिखरी हर एक ज़र्रा
स्नेह के रंग से ही भरा है

संजय सिंह चौहान

राजू की सच्ची दीपावली

बहुत समय पहले, एक छोटे से गाँव में नन्हा राजू अपने माता-पिता के साथ रहता था। राजू को त्योहारों का बहुत शौक था, और जब दीपावली का समय आया, तो वह बहुत उत्साहित हो गया। हर वर्ष की तरह, इस बार भी गाँव में दीपावली की तैयारी बड़े जोश और धूमधाम से हो रही थी। बाजार रंग-बिरंगी रोशनी, मिठाइयों, और खिलौनों से सजा हुआ था। हर घर के बाहर दीयों की कतारें लगाने की तैयारी हो रही थी, और लोग नए कपड़े खरीदने के लिए उत्साहित थे। राजू के पिता ने उसे बताया, ₹दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का त्योहार है। यह भगवान राम के अयोध्या लौटने की ख़ुशी में मनाया जाता है, जब उन्होंने रावण को पराजित किया था और चौदह वर्षों के वनवास के बाद लौटे थे, उस दिन पूरे अयोध्या नगरी को दीयों से सजाया गया था, और तभी से दीपावली का त्योहार हर वर्ष मनाया जाता है। राजू को यह कहानी बहुत पसंद आई, और उसने सोचा, ₹अगर मैं भी रोशनी फैला सकूं और अंधकार को दूर कर सकूं, तो यह कितना अच्छा होगा! राजू के घर के पास एक निर्धन परिवार भी रहता था, जिनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे दीपावली की तैयारी कर सकें। उस परिवार के बच्चे भी राजू की तरह दीपावली मनाना चाहते थे, लेकिन उनके पास न नए कपड़े थे, न मिठाइयाँ और न ही दीये। राजू ने यह देखा और उसे बहुत दुख हुआ। वह सोचने लगा कि अगर यह त्योहार खुशियों और रोशनी का है, तो इन्हें क्यों अंधकार में रहना पड़े? उसने अपनी गुल्लक तोड़ी, जिसमें उसने बहुत पैसे बचा रखे थे। राजू ने अपने माता-पिता से कहा, ₹मैं चाहता हूँ कि इस बार हम इस निर्धन परिवार के साथ दीपावली मनाएँ। राजू के माता-पिता उसकी इस सोच से बहुत खुश हुए। वे बाजार गए और उस परिवार के लिए नए कपड़े, मिठाइयाँ, और ढेर सारे दीये खरीद कर लाए। जब दीपावली की रात आई, राजू ने अपने माता-पिता के साथ उस परिवार के घर के बाहर दीपक जलाए। उसने बच्चों को नए कपड़े पहनाए और सबने मिलकर मिठाइयाँ खाईं। वह रात सचमुच अद्भुत थी। चारों ओर दीयों की रौशनी फैल चुकी थी और बच्चे खुशी से उछल रहे थे। राजू को उस रात बहुत ख़ुशी हुई, क्योंकि उसने महसूस किया कि सच्ची दीपावली तभी होती है जब हम दूसरों के जीवन में भी खुशियों और रोशनी का दीपक जलाएं। इस तरह, उस गाँव में दीपावली का त्योहार हर वर्ष की तुलना में इस बार और भी विशेष बन गया। सबने मिलकर दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटी, और खुशियाँ मनाईं। और राजू ने एक बड़ी सीख सीखी—दीपावली का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ अपने घर को सजाना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश और प्रसन्नता लाना है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि दीपावली का पर्व केवल अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का नहीं है, बल्कि यह प्रसन्नता और प्रेम बांटने का भी त्योहार है।

साहित्यकार कमलेश भारतीय हिंदी साहित्य के पाठकों और नवलेखकों को संदेश देते हैं कि दूसरों के श्रेष्ठ साहित्य को खूब पढ़िए। जैसे खेत में खाद डालते हैं ऐसे काम करता है यह श्रेष्ठ साहित्य पढ़ना। नए से नए रचनाकार को भी देखिए कि वह कैसे कहानी बुनता है। वह ख़ुद प्रतिदिन सुबह एक अच्छी रचना से दिन शुरू करते हैं। जैसे लोग गीता का अध्याय पढ़ते हैं, वह भी कोई एक अच्छी रचना पढ़ते हैं।

साक्षात्कार | **डॉ. तबस्सुम जहां**

संवेदना से याद की जाती हैं कहानियां : कमलेश भारतीय

हरियाणा साहित्य अकादमी में उपाध्यक्ष के पद पर रहे स्वतंत्र पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बेहद जिंदादिल शख्सियत कमलेश भारतीय साहित्य के क्षेत्र में भी बेहद लोकप्रिय नाम हैं। कमलेश भारतीय को हाल ही में नोएडा में आयोजित मारवाह साहित्य समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया। कमलेश भारतीय मूलतः पंजाब के नवांशहर के रहने वाले हैं, पर पिछले 27 साल से हिसार में रह रहे हैं। कमलेश भारतीय महज सत्रह वर्ष की आयु में शिक्षक से, प्राध्यापक एवं प्राचार्य के पदों पर अपनी सेवाएं देने के बाद दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ में मुख्य संवाददाता रहे। उसके बाद अब तक इनके दस कथा संग्रह हिंदी साहित्य की धरोहर बन चुके हैं।

पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी, मराठी, डोंगरी, बंगला आदि भाषाओं में इनकी रचनाएं अनुवादित हो चुकी हैं। आपकी कृति 'एक संवाददाता की डायरी' को केन्द्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया। 28 सितंबर को रोहतक में हुए हाइफ़ा के वार्षिक समारोह में कमलेश भारतीय को भी सम्मनित किया गया। उसी दौरान एक विस्तृत चर्चा में सोशल मीडिया और साहित्य विषय पर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने चिंता प्रकट कि आजकल सोशल मीडिया आने से हर तीसरा शख्स कवि, कहानीकार, ग़ज़लकार बन गया है। यह बहुत दुखद है और साहित्य के लिए सही दौर नहीं है। रात रात भर जाग कर पढ़ना, लिखना, रचना को संवारना यह सब जैसे बीते कल की बातें हो गई हैं। जब उन्होंने लिखना शुरू किया था तब वह पंजाब में थे और हिंदी टाइप की सुविधा भी नहीं थी। हाथ से कितनी बार लिखकर संशोधन करते और फिर इतना सुंदर लिखते कि टाइप किए हुए की बजाय उनकी रचना पढ़ी जाए। वो बताते हैं कि आज का सोशल मीडिया का दौर ऐसा है कि दो चार पंक्तियां लिखीं और लाइक्स की इंतज़ार शुरू। हमें पत्रों का इंतज़ार रहता था, जो संभाले जा सकते थे। सोशल मीडिया सिर्फ एक मंच है, जिससे साहित्य का प्रचार प्रसार तो हो सकता है लेकिन यह दिखावे का और आत्ममुग्धता का मंच ज्यादा है। इस आत्ममुग्धता से बचने की जरूरत है। प्रचार के लिए, साहित्य के प्रमोशन तक रखा जाना चाहिए न कि इससे साहित्य से दूर तक जुड़ा रहा जा सकता है। आज लोग छोटी कहानियों और लघुकथा में फ़र्क नहीं कर पाते।

इनके बीच विभाजक रेखा खींचते हुए कमलेश भारतीय बताते हैं कि बिजली की कौंध की तरह अचानक लघुकथा आंखों में चमकती है और इसे जानबूझकर विस्तार नहीं दिया जा सकता। जबकि कहानी आकार में छोटी हो सकती है पर कहानी ही होती है। हिंदी साहित्य में अलग-अलग 'वाद' की दुकाने खुल गई हैं और हरेक साहित्यकार मेरी शर्ट उसकी शर्ट से ज्यादा सफ़ेद वाली स्थिति में रहता है। इस बारे में कमलेश भारतीय का मानना है कि 'वाद' शुरू से चलते आए हैं। आंदोलन चलते आए हैं। नई कहानी आंदोलन, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, जनवादी कहानी आंदोलन लेकिन कहानियाँ वही चर्चित रहीं जो मानवीय संवेदना को छू पाईं। कमलेश्वर की राजा निरबंसिया, भीष्म साहनी की चीफ की दावत, अज्ञेय की रोज़ (ग्रैंग्रीन), धर्मवीर भारती की 'बंद गली का आखिरी मकान' , मोहन राकेश की 'मलबे का मालिक', ऊषा प्रियंवदा की वापसी, निर्मल वर्मा की दूसरी दुनिया और अन्य रचनाकारों की अनेक कहानियों को किसी वाद के साथ याद नहीं किया जाता बल्कि संवेदनशील होने के चलते याद किया जाता है। वाद को कोई याद नहीं रखता, पाठक कहानी को याद रखता है। तकनीकी क्रांति ने समाज को किताबों से दूर कर दिया है।

दूसरे प्रकाशक तानाशाह हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोग फेसबुक आदि पर अपनी रचनाएं डालते हैं या ऑनलाइन साहित्यिक चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में साहित्य की दिशा के संदर्भ में कमलेश भारतीय बताते हैं कि छपे हुए साहित्य से नई पीढ़ी दूर होती जा रही है। कमलेश भारतीय का कहना है-

बस, इतना ही करना है और यह याद रखना
तुम ही हो एक मुसाफिर यह गुमान मत रखना
अपने पांव तले कभी आसमान मत रखना।

प्रकाशित पुस्तकें

कमलेश भारतीय की 18 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनके कथा संग्रह महक से ऊपर, मस्तराम ज़िदाबाद, इस बार, मां और मिट्टी, ऐसे थे तुम, जादूगरनी, शो विंडो की गुड़िया, एक संवाददाता की डायरी, दरवाजा कौन खोलेगा, इतनी सी बात, मैं नहीं जानता, नई प्रेम कहानी, सूनी मांग का गीत के अलावा यादों की धरोहर (साहित्यकारों से साक्षात्कार), मां और मिट्टी कथा संग्रह का नेपाली में अनुवाद, इतनी सी बात का पंजाबी में अनुवाद, लोग भूल जाते हैं (काव्य संग्रह), तथा 'मैं नहीं जानताश' प्रकाशित हो चुके हैं।

कमलेश भारतीय

पुरस्कार व सम्मान

कमलेश भारतीय को 1992 में कहानी लेखन महाविद्यालय, अम्बाला छावनी द्वारा श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार, 1999 में राज्यकवि स्वर्गीय परमानंद स्मृति सम्मान, 2008 में कैथल की साहित्य सभा की ओर से धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान, फगवाडा में पंजाब हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से स्वर्गीय डॉ. चंद्रशेखर स्मृति सम्मान, हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से 2010 में देशबंधु गुप्त साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार आदि से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कमलेश भारतीय
जन्मतिथि : 17 जनवरी, 1952
जन्म स्थान : होशियारपुर (पंजाब)
शिक्षा : एमए (हिंदी) , बीएड, प्रभाकर
संप्रति : प्राचार्य, लेखक, पत्रकार

भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत

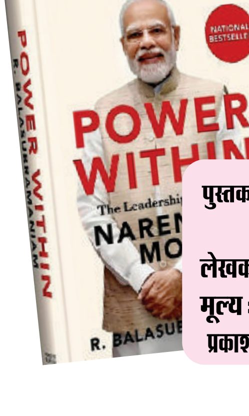

पुस्तक : भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत
लेखक : आर. बालासुब्रमण्यम
मूल्य : 581 रुपये
प्रकाशक : पेंगुइन, भारत

पुस्तक समीक्षा | **शिवेश प्रताप**

आज इस वैश्वीकरण के युग में हम एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, जहां हमें यह एहसास होता है कि दुनिया के सामने मौजूद बहुस्तरीय लक्ष्यों, संकटों और समाजों में बढ़ती ध्रुवीकरण की स्थिति से निपटने के लिए केवल सत्ता आधारित नेतृत्व मॉडल ही पर्याप्त नहीं हैं। आज के दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो न केवल इतिहास से सीखे, बल्कि उसमें स्वीकार्यता की क्षमता, व्यवहारिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और आध्यात्मिक परिपक्वता का समावेश हो। इन सभी गुणों से युक्त व्यक्तित्व को हम प्रबुद्ध नेतृत्व कह सकते हैं। हम सभी भाग्यशाली हैं कि देश को 2014 में नरेंद्र मोदी के रूप में इन सभी गुणों से युक्त एक ऐसा नेता मिला जिसने तमाम प्रतिकूलताओं से घिरे वातावरण में भी आशा आकांक्षाओं का संचार इस देश में किया। आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित 'Power Within: The Leadership Legacy of NarendraModi' पुस्तक नरेंद्र मोदी के इस अनूठे नेतृत्व को बारीकी से समझने और परखने का एक अवसर प्रदान करती है। पूरी पुस्तक में संस्कृत श्लोकों एवं धर्म शास्त्रों के विचारों को बड़े सुन्दर ढंग से मोदी जी के जीवन प्रसंगों से जोड़ा गया है। इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह मोदी जी के नेतृत्व को भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित मानती है। लेखक ने इस पुस्तक में बताया है कि मोदी का नेतृत्व केवल भौतिक सफलता पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता और कर्तव्य की भावना पर भी आधारित है। योग, ध्यान और भगवद गीता के शिक्षाओं के प्रति उनकी आस्था ने उनके शासन को आकार दिया है। वे एक कर्मयोगी के रूप में सेवा करते हैं, जो निःस्वार्थ भाव से, ईमानदारी और करुणा के साथ कार्य करते हैं, और न केवल मानव समाज अपितु सभी जीवों का आपसी जुड़ाव को महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व आधुनिक चुनौतियों का समाधान करते हुए भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक शांति और सुख का मार्ग प्रस्तुत करती है। ऐसे अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों और समय में, मोदी का नेतृत्व एक आशा की दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकता है, जो कोटि कोटि भारतीयों को और विश्व के अन्यान्य लोगों को एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए प्रेरित करता है। यह पुस्तक मोदी जी के नेतृत्व की विरासत को समझने और उसे सहेजने करने का एक सार्थक प्रयास है।

खबर संक्षेप

रिटायर कर्मचारी संघ ब्लॉक प्रधान बने रामस्वरूप

नारनौंद। कस्बे में भगतसिंह पुस्तकालय में रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक नारनौंद का त्रिवर्षीय चुनाव हुआ। यह चुनाव जिला प्रधान ओमप्रकाश सैनी तथा जिला सचिव सयोचनद घोड़ेला की अध्यक्षता में हुआ। सभी पदों पर चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। इसमें मास्टर रामस्वरूप को प्रधान तथा रोहतास शर्मा को सचिव बनाया गया। इसके अलावा बदन सिंह को कोषाध्यक्ष, सतवीर पेटवाड़ को उप प्रधान, मदनलाल व महेंद्र सिंह को सह सचिव के पद पर चुना गया। सत्यवीर लोहान, मास्टर दयानंद, राजेंद्र सिंह व कृष्ण को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। मास्टर चंद्र प्रकाश को मुख्य सलाहकार के पद पर चुना गया।

पोस्टर मेकिंग में मानसी रही प्रथम

आदमपुर। आदमपुर के राजकीय बहुतकनीकी संस्थान की खाद्य तकनीकी विभाग में वल्र्ड फूड डे मनाया गया। इस दौरान विभाग में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय 'फूड वर्सेस अनप्रोसैस्ड फूड रहा। प्रतियोगिता में ऋषभ राठौर, प्रीतम व अथर्व की टीम ने कंपटीशन में जीत हासिल की जबकि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मानसी ने प्रथम, हिमांशु व सन्नी वर्मा द्वितीय एवं रोशनी, मनीष दलाल व सपना ने तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। विभाग के कार्यवाहक विभागीय अध्यक्ष वेदपाल यादव ने विद्यार्थियों को फूड डे के बारें में जानकारी दी। प्राध्यापक बंसीलाल ने विद्यार्थियों को भविष्य में भी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। विभागाध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वाल्मीकि जयंती मनाने पर जताया आभार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्वीपर्स यूनियन (सफाई कर्मचारी संघ) की बैठक संघ कार्यालय में प्रधान कालू राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई जिमसें हकृवि में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के निर्देशों पर विश्वविद्यालय स्तर पर तपस्वी, सृष्टिकर्ता, महर्षि वाल्मीकि जयंती का आयोजन करने के ऐतिहासिक कार्य पर खुशी जाहिर करते हुए वाल्मीकि समाज व सफाई कर्मचारी संघ की ओर से कुलपति का आभार जताया गया।

अधिकारियों ने खिलाड़ियों को दी शाबाशी

राज्य स्तरीय स्कूली खेल स्पर्धा में शहर की बेटियों ने जीते गोल्ड

राज्य स्तरीय खेल स्पर्धा में 100 मीटर में रेशमी नहला तथा 200 मीटर में मुस्कान बनी सबसे तेज धावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

रोहतक में आयोजित तीन दिवसीय छठी राज्य स्तरीय स्कूली खेल स्पर्धा में अंडर 11 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने गोल्ड व सिल्वर तथा कांस्य पदक जीतकर फतेहाबाद जिले का नाम रोशन किया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश दहिया व सहायक जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी खेल विजय जग्गा ने खिलाड़ियो को बधाई दी और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विजय जग्गा ने बताया कि राजीव गांधी खेल स्टेडियम व सर छोटू राम स्टेडियम तथा अगस्त्य इंटरनेशनल स्कूल और मानव रचना पब्लिक स्कूल के खेल मैदान में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें प्रदेश भर के 4576 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फतेहाबाद से अंडर 11 आयु वर्ग में विभिन्न खेलों के लिए 245 खिलाड़ी शामिल हुए। सहायक जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी खेल ने बताया कि वर्ष 2017 में संगीता बिश्नोई के नेतृत्व में उपरोक्त खेलों की शुरुआत हुई थी, जो अब बड़े लेवल पर कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने खेलों में भाग लेना शुरू कर दिया है।

भूना। राज्य स्तरीय स्कूली खेल स्पर्धा में गोल्ड मेडलिस्ट अंडर 11 आयु वर्ग के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

खो-खो प्रतियोगिता में लड़कियों ने जीता सोना

छठी राज्य स्तरीय स्कूली खेल स्पर्धा में अंडर 11 आयु वर्ग की लड़कियों की खो-खो प्रतियोगिता में फतेहाबाद जिले की टीम में शामिल टोहाना के ललौदा व भट्टूकला के ठुईया गांव की लड़कियों ने प्रथम स्थान हासिल करके गोल्ड मेडल जीत लिया। लड़कों की खो-खो प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल मिला। एकल डांस प्रतियोगिता में शांति निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढिंगसरा की जानवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शतरंज खेल प्रतियोगिता में लड़कियों ने सिल्वर पदक हासिल किया। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में नहला गांव की रेशमी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मुस्कान दूसरे स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में मुस्कान ने गोल्ड तथा रेशमी ने सिल्वर पदक जीतकर फतेहाबाद जिले का नाम रोशन किया। रिले रेस प्रतियोगिता में रेशमी, मुस्कान व मानसी तथा शिवानी दहमान ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में रेशमी ने ब्रांज मेडल हासिल किया। इस मौके डीपी मैडम रेखा, डीपी सुनील कुमार, कुलदीप सिंह, बलवीर सिंह वह बलविंदर सिंह तथा पीटीआई जयप्रकाश और सुभाष चंद्र आदि के नेतृत्व में मासूम खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करके जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया।

बच्चों को वितरित की स्टेशनरी

- वी फॉर यू चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

वी फॉर यू चैरिटेबल ट्रस्ट ने सेल्फलेस सेवा टीम के साथ मिलकर शहर के कई हिस्सों में बच्चों को स्टेशनरी वितरित की। ट्रस्ट के अध्यक्ष रवि मक्कड़ ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से समय-समय पर समाजसेवा के क्षेत्र में अनेक गतिविधियां की जाती है। शहर के कई हिस्सों में ट्रस्ट की ओर से रविवार को जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी वितरित की गई, ताकि वे अपनी पढ़ाई को जारी रख सकें। रवि मक्कड़ ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि संसाधनों के अभाव में काफी बच्चे अपनी पढ़ाई नहीं कर पाते। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बच्चों को स्टेशनरी वितरित कर उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा इसके अलावा पौधारोपण, रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, जरूरतमंदों को भोजन वितरित करने सहित हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को भी जागरूक किया गया था। उन्होंने बताया कि जिस उद्देश्य के लिए ट्रस्ट का गठन किया गया था, उस पर पूरी तरह से खरा उतर रहा है। इस मौके पर स्वामी सुनील गावड़ी, बेबी रहमत, कनिका जैन, समृद्धि कपूर आदि मौजूद रहे।

सिरसा। बच्चों को स्टेशनरी वितरित करते संस्था के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

बाइक चोर गिरोह के दो आरोपी काबू चोरीशुदा पांच मोटरसाइकिल बरामद

- आरोपियों को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

सीआईए डबवाली पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में दो आरोपियों को काबू कर उनके कब्जा से पांच चोरीशुदा बाइक बरामद किए हैं। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि 27.06.2024 को जगसीर सिंह पुत्र दलीप सिंह निवासी नरसिंह कॉलोनी जिला बठिंडा पंजाब की शिकायत दी कि उसका बेटा वर्षदीप सिंह ओराने अकादमी एवं सैलून कॉलोनी रोड डबवाली में काम सीखने के लिए आता है। उसका बाइक कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान साइबर सैल की सहायता से तथा सीसीटीवी फुटेज की सहायता से दो आरोपियों को काबू करके उनके कब्जे से चोरीशुदा बाइक

बरामद किया गया। आरोपियों की पहचान राजा पुत्र छोटू राम निवासी घुकांवाली व गौरव सोनी पुत्र देवेंद्र निवासी ओढां के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पुछताछ करने पर चार अन्य चोरीशुदा बाइक बरामद किए गए है। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा सिरसा व अन्य जगहों से बाइक चोरी की वारदातों का खुलासा किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और अन्य वारदातों के बारे में भी गहनता से पूछताछ की जाएगी।

भाजपा कार्यालय में सुंदर कांड आयोजित

- सुंदर कांड पाठ के गुणगान से भगवान श्री राम होते प्रसन्न, वीर बजरंग बलि करते कृपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रदेश में तीसरी बार भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनने के उपलक्ष्य में प्रदेश की जनता की सुख समृद्धि के लिए भाजपा जिला कार्यालय में सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें श्री हनुमान बुधला संत मंदिर की टीम ने भगवान श्री राम एवं वीर बजरंग बलि की स्तुति की। भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को आयोजित सुंदर कांड पाठ कार्यक्रम में श्री हनुमान बुद्धला संत मंदिर से सुभाष आहुजा, टीनू, राजकुमार सेहतिया एवं प्रेम असीजा ने सुंदर कांड पाठ व बाबा का गुणगान करते हुए पार्टीजनों एवं अन्य श्रद्धालुओं को इसके महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि सुंदर कांड पाठ के गुणगान, मनन व चिंतन से भगवान श्री राम प्रसन्न होते हैं और वीर बजरंग बलि की कृपा बरसती है। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने पार्टी की ओर से किए गए सुंदर कांड पाठ कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला।

हिसार। भाजपा जिला कार्यालय में सुंदरकांड पाठ करते मंदिर की टीम व उपस्थित पार्टीजन। *फोटो : हरिभूमि*

एनएसएस इकाई ने की पर्यावरण अनुकूल पहल

- स्वयंसेवकों ने पुराने टायरों से तैयार किए सजावटी पौधों के लिए गमले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान मंडी आदमपुर के एनएसएस स्वयंसेवकों की ओर से एनएसएस इकाई ने एक रचनात्मक और पर्यावरण-अनुकूल पहल की है। इसके तहत सह समन्वयक पारुल शर्मा के निर्देशन में पुराने टायरों का पुनः उपयोग करके परिसर को सुंदर बनाने के लिए एक अनूठी परियोजना शुरू की गई। इस गतिविधि का उद्देश्य स्थिरता को बढ़ावा देना और कचरे को कम करना है, जिसमें बेकार पड़े टायरों को सजावटी पौधों के गमलों में बदलना शामिल है, जिससे उन्हें नया जीवन मिल सके। प्रक्रिया पुराने टायरों के संग्रह से शुरू हुई, जिन्हें फिर अच्छी तरह से साफ किया गया और पेंटिंग के लिए तैयार किया गया। स्वयंसेवकों ने टायरों को जीवंत रंगों और रचनात्मक डिजाइनों से सजाकर, उन्हें आकर्षक पौधों के गमलों में बदलकर अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। इन रंगीन टायर गमलों का उपयोग परिसर के चारों ओर विभिन्न स्थानों को सजाने, हरियाली को बढ़ाने और पर्यावरण में सौंदर्यपूर्ण स्पर्श जोड़ने के लिए किया गया।

आदमपुर। पुराने टायरों को सजाने में लगे स्वयंसेवक। *फोटो : हरिभूमि*

पहल के फायदे बताएं

संस्थान के प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने कहा कि यह पहल न केवल संस्थान के सौंदर्यीकरण में योगदान देती है, बल्कि पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सामग्रियों को पुनर्चक्रित करने और पुनः उपयोग करने के महत्व के बारे में जागरूकता भी बढ़ाती है। अपशिष्ट उत्पादों का पुनः उपयोग करके, एनएसएस स्वयंसेवक एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं कि कैसे रोजमर्रा की वस्तुओं का रचनात्मक तरीके से पुनः उपयोग करके स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस पहल में निशा, मनीषा, प्रतिमा, जावित्री, अंजलि, स्वेता, अंकित, अंकित आदि मौजूद रहे।

जीवन को ऊर्जा अद्वितीय मार्ग है संजीवनी ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओशो सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में ओशोधारा मैत्री संघ हिसार ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आयोजित संडे ध्यान में आचार्य दिनेश ने संजीवनी ध्यान करवाया। उन्होंने बताया कि संजीवनी ध्यान का अर्थ होता है 'जीवन का समर्थन' या 'जीवन की ऊर्जा का संग्रह'। यह एक प्रमुख ध्यान पद्धति है, जो साधकों को मानसिक शांति, आत्मा का समर्थन और आध्यात्मिक उन्नति की की दिशा में मार्गदर्शन करती है। इस ध्यान पद्धति का उद्दीपन मुख्य रूप से भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं से हुआ है और यह ध्यान साधने वाले को शांति, सुख, और समृद्धि की प्राप्ति का उत्कृष्ट अनुभव करने का उद्देश्य रखता है। यह ध्यान विभिन्न आसन, प्राणायाम, मुद्राएं और मन को नियंत्रित करने के तकनीकों का समाहित मिश्रण है। साधक इस ध्यान के माध्यम से अपने मन को नियंत्रित करता है और आत्मा के साथ संयोजन प्राप्त करता है। इस ध्यान पद्धति में मुद्राएं भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुद्राएं हाथ, आंख और शरीर के विशिष्ट स्थानों के विशेष आसनों को कहा जाता है, जो मानव शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। संजीवनी ध्यान का प्रशिक्षण ध्यान गुरुओं द्वारा दिया जाता है, जो अपने शिष्यों को ध्यान की शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आयोजित ध्यान कार्यक्रम में भाग लेते साधक। *फोटो : हरिभूमि*

25 से 27 तक कार्यक्रम का होगा आयोजन

ओशोधारा हरियाणा के संयोजक आचार्य सुभाष ने साधकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि ओशोधारा के कार्यक्रम वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से प्रमाणिक है और ध्यान को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर सप्ताह पूरे देश में ध्यान योग का कार्यक्रम तय किया गया है और 25 से 27 अक्टूबर को तीन दिवसीय ध्यान योग के कार्यक्रम का पूरे देश में एक साथ 30 जगहों पर आयोजन किया जाएगा।

बास अनाज मंडी में खड़े ट्रक से डीजल चोरी

हांसी। अज्ञात चोर बास गांव की अनाज मंडी में खड़े एक ट्रक से डीजल तेल चुराकर ले गया। चोरी की यह घटना अनाज मंडी की दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। ट्रक मालिक ने बास थाना पुलिस को ट्रक से डीजल चोरी किए जाने की शिकायत दी है। पुलिस ने ट्रक मालिक वीरेन्द्र मोर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में वीरेंद्र मोर ने बताया कि वह बास खुर्द गांव का रहने वाला है और जेसीबी, डंपर और ट्रैक्टर ट्राली से ट्रांसपोर्ट का काम करता है। और मैने बास अनाज मंडी में अपना ऑफिस बना रखा है। मेरे पास बहुत से वाहन हैं जिनको मैं बास अनाज मंडी में अपने वाहनों को खड़ा करता हूं।

चौथे दिन भी पोस्टमार्टम नहीं, पुलिस के हाथ भी खाली

बरवाला

क्षेत्र के गांव बुगाना में दुकानदार सोनू की दिनदहाड़े गोलियां मारकर हत्या किए जाने के मामले में अभी किसी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मृतक के परिजनों व अन्य ग्रामीणों का बहबलपुर बस अड्डे पर रविवार को दूसरे दिन भी धरना जारी रहा। धरनारत लोगों ने सोमवार शाम तक गिरफ्तार न होने की हालत में सरकार का पुतला फूंकने का अल्टीमेटम दिया है। उधर, चौथे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

रविवार को पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला समेत अन्य लोग भी धरने पर पहुंचे। सभी ने एकजुट होकर कहा कि पहले आरोपी गिरफ्तार हो उसके बाद पोस्टमार्टम करवाएंगे और फिर धरना उठेगा। मृतक सोनू के परिजन व गांव के लोग दो दिनों से बहबलपुर बस स्टेंड पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं और उनकी मांग है कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो, उसके बाद ही सोनू के शव का पोस्टमार्टम होगा और अंतिम संस्कार किया जाएगा। सदर थाना प्रभारी ने की बात शाम को सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार धरने पर पहुंचे। उन्होंने धरने की कमेटी के सदस्यों से बातचीत की और मृतक सोनू हत्याकांड के बारे में बताया कि आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई तेज की हुई है।

पुतले जलाने की चेतावनी

मास्टर देशराज ने तीखे तेवरों में चेतावनी दी कि सोमवार शाम 4 बजे तक का वक्त दिया है गिरफ्तार कर लीजिए नहीं तो हम सरकार के खिलाफ पुतले जलाएंगे। थाना प्रभारी सुरेंद्र ने आश्वासन दिया की चिंता मत कीजिए मैं जो भी प्रॉमिस करूंगा उस पर खरा उतरूंगा पहले भी मैं जब यह घटनाक्रम हुआ था उस वक्त भी आपको बोला था, आज भी कह रहा हूं इस वारदात में शामिल सभी आरोपियों को काबू करेंगे लेकिन कड़ी से कड़ी जोड़कर ही आरोपियों तक पहुंच पाएंगे।

सद्भावना कमेटी का गठन

पूर्व सरपंच धर्मपाल बागड़ी ने कहा कि मृतक सोनू को इंसाफ दिलाने के लिए आंदोलन की दिशा गलत ना हो जाए इसको लेकर धरने के दूसरे दिन सद्भावना कमेटी का गठन किया गया। रोजाना नए अध्यक्ष बनेगा। तालमेल कमेटी प्रशासन से सोनू हत्याकांड मामले में बातचीत करेगी। रविवार को करवा चौथ व्रत पर मृतक सोनू के परिवार को समर्थन देने के लिए करवा चौथ न मनाने का निर्णय लिया।

तीन माह पहले तोड़ी गई रोड से हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

लगभग तीन माह पहले नई सड़क बनाने के नाम पर तोड़ी गई आदमपुर अग्रोहा रोड अब तक न बनने से आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। काली रावण के कुलदीप, महेंद्र सिंह, सतवीर, रामकुमार, राजकुमार तथा खासा महाजन के मोहन राय कोहली के नीलू राय, सुरेश, सतबीर, नरेंद्र व सुरेंद्र अनिल आदि ने बताया कि इस सड़क को तीन माह पहले तोड़ा गया था लेकिन इसे बनाने की बजाय इस सड़क को पांच किलोमीटर से लेकर 15 किलोमीटर तक आगे से आगे तोड़ा जा रहा है। सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चलाना मुश्किल हो रहा हैं, हर दम दुर्घटना का भय बना रहता हैं। आलम यह है कि इस 15 मिनट के रास्ते को पार करने के लिए 40 से 50 मिनट लग रहे हैं और दुर्घटनाएं हो रही हैं लेकिन ठेकेदार सड़क बनाने की बजाय आगे से आगे तोड़ता जा रहा हैं। ग्रामीणों में आदमपुर के जनप्रतिनिधियों ने यह सड़क तुरंत बनाने की मांग की है ताकि परेशानी से बचा जा सके। इसके अलावा आदमपुर में जवाहर नगर के लोगों व मंडी आदमपुर शहर की तोड़ी गई सभी सडकें तुरंत बनाने की मांग की हैं।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए ग्रामीणों का सराहनीय कदमः बीरेंद्र सिंह

श्री गुरदेव इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन के 6 कोर्ट बनकर तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

युवाओं का ध्यान नशे से हटाने के लिए श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर व ग्रामीणों ने सराहनीय पहल की है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के सहयोग से जहां स्टेडियम में पहले दो बैडमिंटन कोर्ट थे, अब 6 बैडमिंटन कोर्ट बनाकर युवाओं को सौंप दिए गए हैं।

ट्रस्ट के प्रधान हरपिंद्र सिंह कूका ने बताया कि डेरा जगमालवाली के गद्दीनशीन संत बीरेंद्र सिंह ढिल्लों ने शनिवार को गांव में पहुंचकर स्टेडियम में खेल व्यवस्थाओं व बैडमिंटन कोर्ट का जायजा लिया। ट्रस्ट पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने फूलों से बीरेंद्र सिंह ढिल्लों का स्वागत किया। हरपिंद्र सिंह कूका ने बीरेंद्र सिंह को बताया कि युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए ट्रस्ट व ग्रामीणों की ओर से एक पहल की गई थी, जो कि अब धीरे-धीरे अपना रंग दिखाने लगी है।

उन्होंने बताया कि 2020 से स्टेडियम में आने वाली महिलाओं के लिए निःशुल्क बस सेवा भी शुरू की गई है। जबकि कोच भी बिल्कुल फ्री हैं। वहीं बच्चों से भी किसी प्रकार का कोई शुल्क वहन नहीं किया जाता और कोच भी फ्री है। प्रधान ने बताया कि इस दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के एडवोकेट परमिंद्र सिंह संधु ने स्टेडियम में महिलाओं व बच्चों के लिए एक वाटर कूलर भेंट किया। जबकि समाजसेवी छिंदा बराड़ ने शटल बॉक्स भेंट किया। इस मौके पर बीरेंद्र सिंह ढिल्लों ने श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट व ग्रामीणों की इस शानदार पहल को सराहनीय बताते हुए स्वागत योग्य कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कदम अगर सभी मिलकर उठाएं तो नशे का समाज से जड़मूल से खात्मा किया जा सकता है। बीरेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि स्टेडियम में उनकी तरफ से भी हर संभव सहयोग किया जाएगा। इस मौके पर बीरेंद्र सिंह ढिल्लों ने अनेक महिलाओं को सम्मानित भी किया। इस मौके पर जितेंद्र सिंह ढिल्लों, गुरमुख विल्खू, देवेंद्र काहलो, अमर सिंह, दिलबाग मल्ली, ज्ञान मान, कशमीर खीवा, भाग मुक्ता, जसवीर सिंह सहित काफी संख्या में महिलाओं ने भी उपस्थिति दर्ज करवाई।

फोटो :20सिरसा04 : बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन करते संत बीरेंद्र सिंह ढिल्लों।

खबर संक्षेप

जिले में विभिन्न स्थानों से दो बाइक चोरी

सिरसा। जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर दो मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव बुर्जकर्मगढ़ व हाल भगत सिंह कॉलोनी वाली गली निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि बीती 13 अक्तूबर को उसका बेटा बाइक लेकर पीजी में गया था। पीजी के बाहर बाइक खड़ी कर वह अंदर चला गया। इस दौरान पीछे से कोई उसकी बाइक चोरी कर ले गया। कुछ देर बाद जब वह आया तो बाइक नहीं मिली। दूसरे मामले में प्रीतनगर निवासी सोनू ने बताया कि बीती 18 अक्तूबर की शाम को वह बाइक लेकर बांसल पैलेस में गया था।

रास्ता पूछने के बहाने मोबाइल छीना

सिरसा। मीरपुर निवासी एक युवक से बाइक सवार युवक रास्ता पूछने के बहाने जेब से मोबाइल चुरा ले गए। पुलिस को दी शिकायत में शक्ति ने बताया कि बीती 18 अक्तूबर की शाम को वह अपने दोस्त के साथ सांगवान चौक से दवा लेकर घर जा रहा था। उसने अपनी लोअर की जेब में रेडमी नोट का मोबाइल डाला हुआ था। जब वे एयरफोर्स स्टेशन के समीप पहुंचे तो बाइक सवार दो युवक आए और मीरपुर कॉलोनी का पता पूछने लगे। पता पूछने के बहाने एक युवक ने उसकी जेब से मोबाइल चोरी कर लिया। जब युवक चले गए तो उसने अपनी जेब में मोबाइल संभाला। उन्होंने दोनों युवकों की काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

खेतों से हजारों की केबल चोरी, केस दर्ज

डिंग। कस्बे के गांव जोधकां निवासी किसान के खेतों में बने कमरे से चोर हजारों रुपए की ट्यूबवेल की केबल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत पूर्व सरपंच रवि प्रकाश गोदारा ने बताया कि उसकी ढाणी शेरपुरा रोड पर कुसुंबी माइनर के निकट है। उसने बताया कि खेतों में कमरा बनाया हुआ है, जहां ट्यूब्वैल लगाया हुआ है। बीती 18 अक्तूबर की रात को वह कमरे को ताला लगाकर ढाणी में आ गया। देर रात को चोर कमरे का ताला तोडक़र करीब 60 फीट केबल चोरी कर ले गए। सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे घटना का पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

सरकारी स्कूल से हजारों का सामान चोरी

फतेहाबाद। गांव अकांवाली के सरकारी स्कूल में घुसकर चोरों ने हजारों का सामान चोरी कर लिया। इस बारे स्कूल के हैड टीचर द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव अकांवाली स्थित राजकीय प्राइमरी स्कूल के हैड टीचर अजय कुमार ने कहा कि गत दिवस सुबह स्कूल में कार्यरत पार्ट टाइम स्वीपर कमलेश रानी सफाई के लिए स्कूल में पहुंची तो उसने देखा कि स्कूल के एक कमरे का ताला टूटा हुआ था। इस पर कमलेश रानी ने उसे फोन पर सूचना दी। सूचना मिलते ही जब वह स्कूल पहुंचा तो पाया कि अज्ञात चोरों ने स्कूल में घुसकर एक कमरे का ताला तोड़ा और वहां से मिड डे मील का एक गैस सिलैण्डर, एक एलसीडी चोरी कर ले गए हैं।

धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता से दो युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

ओढां। ओढां थाना पुलिस ने धोखाधड़ी करने के एक मामले में आरोपी ललतू चक्रवर्ती पुत्र मृत्युंजय व प्रथा चक्रवर्ती निवासी कोलकाता को काबू किया गया है। ओढां थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि जयमल पुत्र चेतराम निवासी गांव पन्नीवाला मोटा की शिकायत पर आरोपियों द्वारा उसे धोखाधड़ी से आरटीजीएस माध्यम से दिए खाते नंबर में 3 लाख रुपए जमा करवाने पर मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान दो आरोपियों को कोलकाता से काबू किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द खुलासा किया जाएगा।

जिले में 40 जगह पराली जलने की लोकेशन मिली

स्मॉग से खतरा, मार्निंग वॉक पर जाना हो सकता है खतरनाक

चिकित्सकों ने व्यायाम से परहेज की दी सलाह, कहा : जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

पराली जलाने के मामले में फतेहाबाद देशभर में अव्वल रहता है। रविवार सुबह सूर्य उदय हुआ तो उसकी रोशनी की जगह वातावरण में स्मॉग फैला हुआ था। यानि कि धुंए ने सारा वातावरण प्रदूषित कर रखा था। रविवार तक हरसेक ने सेटेलाइट के माध्यम से फतेहाबाद के 40 ऐसी लोकेशन कृषि विभाग को भेजी जहां पर पराली जलाई गई थी।

इसमें कृषि विभाग ने 50 किसानों पर करीब 1 लाख का जुर्माना भी ठोका है। दरअसल हरसेक ने सैटेलाइट से 40 आगजनी की लोकेशन कृषि विभाग को भेजी जबकि 4 शिकायतें पीड़ित लोगों ने कृषि विभाग को दी। विभाग की टीमें जब मौके पर पहुंची तो 10 जगह आग नहीं पाई गई जबकि 2 जगह गैर एग्रीकल्चर स्थानों पर आग मिली। रविवार को यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानि एक्यूआई 242 को भी पार कर गया। अब हालात यह है कि सुबह उठो तो आसमान में स्मॉग व धुंए के कारण सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है। सुबह सैर करने वालों के लिए यह वार्निंग है कि अब उन्हें मार्निंग वॉक बंद करनी पड़ेगी, नहीं तो फायदे की जगह नुकसानदायक साबित हो सकता है। खासकर हार्ट, दमा, टीबी, किडनी के मरीजों को अपना अधिक ध्यान रखना होगा। ऐसे मौसम में उच्च रक्तचाप, मधुमेह के रोगियों को हार्ट-ब्रेन अटैक का खतरा रहता है। रविवार को फतेहाबाद में एयर क्वालिटी इंडक्स पिछले दिनों की तरह खतरनाक स्तर पर रहा। अभी धान की कटाई शेष है।

किसान न मानें या प्रशासन ने सख्ती न की तो एक्यूआई बढक़र 500 पार तक जा सकता है।

फतेहाबाद। खेत में पराली जलने से उठता जहरीला धुंआ। *फोटो : हरिभूमि*

स्मॉग से होने वाली दिक्कतें

-खांसी, श्वास लेने में तकलीफ।
-आंखों में जलन।
-सीने में दर्द की शिकायत।
-त्वचा संबंधी बीमारियां।
-नाक, कान, गला, फेफड़ों में इंफेक्शन।
-रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है

ऐसे करें अपना बचाव

-प्रदूषित वातावरण में योग-व्यायाम न करें।
-घर में एयर प्यूरीफायर लगवाएं।
-दिन में तकरीबन 4-5 लीटर पानी पिएं।

हृदय रोगी, दमा व टीबी के मरीजों को रहना होगा सतर्क : डॉ. सहगल

सद्भावना अस्पताल फतेहाबाद से डॉ. अंशुल सहगल का कहना है कि स्मॉग शब्द स्माक व फाग से मिल कर बना है। कूड़े व पराली को जलाने से निकलने वाली खतरनाक गैस और धुआं जब वातावरण की नमी (कोहरा) से मिलती हैं तो स्मॉग बन जाता है। यह जहरीला मिश्रण श्वास के जरिए आंखों-फेफड़ों तक पहुंचता है और मनुष्य को शरीर को नुकसान पहुंचाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए स्मॉग बेहद घातक है।

फैक्ट्रियों व ईंट भट्ठों का जहरीला धुंआ वातावरण को कर रहा दूषित

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद शर्मा का कहना है कि इन दिनों स्मॉग के कारण आंखों में जलन के मरीजों की ओपीडी बढ़ी है। बीमार लोगों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को धुंए-स्माग के वातावरण में निकलने से परहेज करना चाहिए। अति आवश्यक कार्य से बाहर निकलना पड़े तो मास्क पहनें। आंखों के बचाव के लिए चश्मा पहन सकते हैं। नागरिक अस्पताल में भी स्माग छाने के बाद आंखों में जलन के मामले बढ़े हैं। सिविल अस्पताल में सामान्यत 10-12 मरीज आते थे, अब इनकी संख्या 50 तक पहुंच गई है। जानकारों के अनुसार दीपावली के बाद स्माग ओर ज्यादा बढ़ेगा। दीवाली पर होने वाली आतिशबाजी के कारण हालात भयावह हो जाते हैं। इसके अलावा कचरे में लगी आग, प्लास्टिक की पाइप फैक्ट्रियों व ईंट भट्ठों से निकलने वाला धुआं भी वातावरण को जमकर नुकसान पहुंचा रहा है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स के मानक

एयर क्वालिटी इंडेक्स यानि एक्यूआई को 0-50 के बीच बेहतर, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच सामान्य, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। इससे खतरा हो सकता है।

शाह मस्ताना महाराज का अवतार दिवस मनाया

सिरसा। डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक शाह मस्ताना महाराज के अवतार दिवस डेरा सच्चा सौदा सिरसा सहित देश-विदेश में बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया। उत्तर प्रदेश के जिला बागपत स्थित एमएसजी डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केंद्र शाह सतनाम आश्रम बरनावा से डेरा प्रमुख संत गुरमीत राम रहीम सिंह ने ऑनलाइन गुरुकुल के माध्यम से साध-संगत को प्रवचन दिए। इस दौरान डेरा द्वारा चलाए जा रहे 167 मानवता भलाई कार्यों को गति देते हुए क्लॉथ बैंक मुहिम के तहत 133 जरूरतमंद लोगों को कंबल व 133 बच्चों को कपड़े वितरित किए गए। इसके अलावा आशियाना मुहिम के तहत साध-संगत की ओर से जरूरतमंद लोगों को बनाकर दिए गए घर की चाबियां भी पात्र परिवारों को सौंपी गई। इस अवसर पर डेरा प्रमुख ने ऑनलाइन गुरुकुल से जुड़ी साध-संगत को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी को एमएसजी भंडारे की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दुनिया पर ऐसे उपकार किए हैं जिनको गिनाया नहीं जा सकता।

ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग परमात्मा से प्रेम करना: साहुवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष रमेश साहुवाला ने कहा कि ध्यान का अर्थ है भीतर से मुस्कराना और सेवा का अर्थ है इस मुस्कराहट को ओरों तक पहुंचाना, तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है। वे रविवार को क्लब द्वारा आयोजित ध्यान, साधना, समाधि शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि मनुष्य का हृदय धन एवं पद ज्ञान से भरा नहीं जा सकता क्योंकि इन चीजों से भरने के लिए वह बना ही नहीं है और वह हमेशा खाली ही रहता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जितना पाता है, उसकी उतनी ही और मांग बढ़ती जाती है जिससे वह दरिद्र होता चला जाता है। उन्होंने कहा कि हृदय की इच्छाएं कुछ भी पाकर शांत नहीं होती हैं क्योंकि हृदय तो परमात्मा को पाने के लिए बना है इसलिए हमें प्रतिदिन ध्यान, साधना, सिमरन, समाधि को ध्यान देना चाहिए। साहुवाला ने कहा कि ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग है परमात्मा से प्रेम करना और उसके प्रति सदा समर्पण भाव रखना।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक में सुखविंदर जेई बने प्रधान

■ चुनाव में 40 के लगभग रिटायर्ड कर्मचारियों ने भाग लिया, बैठक में कई मुद्दों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा ब्लॉक रतिया का त्रिवार्षिक चुनाव टोहाना रोड स्थित नूर गार्डन में सम्पन्न हुआ। बैठक में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में जिला कमेटी की तरफ से जिला प्रधान धर्मपाल यादव एवं जिला सचिव बेगराज ने हिस्सा लिया। बैठक में सर्वप्रथम रघुनाथ मैहता ने जिला कैशियर के तौर पर 3 साल के कैश का आडिट किया। इसके बाद चुनाव प्रक्रिया शुरू करवाई गई। बैठक में सदस्यों ने सर्वसम्मति से सुखविंदर सिंह जे.ई नहर विभाग को प्रधान, बलबीर सिंह महमड़ा बिजली विभाग को उप प्रधान, गुरप्रीत सिंह नैन बिजली विभाग को सचिव, हरभजन सिंह थिंद बिजली विभाग को कोषाध्यक्ष, बलिंदर शर्मा बिजली विभाग को सह सचिव तथा जैब सिंह बिजली विभाग को प्रेस सचिव चुना गया। जिला कमेटी में प्रधान धर्मपाल प्रधान ने पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। चुनाव के बाद ब्लॉक कमेटी के साथियों ने भविष्य में होने वाले कार्यकर्मों की रूपरेखा बनाई एवं ब्लाक को अग्रिम पंक्ति में लाने का संकल्प लिया। आज के चुनाव में 40 के लगभग रिटायर्ड कर्मचारियों ने भाग लिया।

बाजार में हादसा, पलट गया पानी का टैंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

ओढ़ा में नैशनल हाईवे के निकट गांव के मेन बाजार ग्रीन मार्केट में भीड भाड़ होने के कारण पीने के पानी का टेंकर दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। गांव में प्रवेश करने का ग्रीन मार्केट एक मात्र ऐसा मार्ग है जहां पर हर समय लोगों का आना जाना रहता है।

नाले में फंसा

उसी मार्ग पर टेंकर चालक सिमरपाल सिंह पानी से भरा टेंकर लेकर गांव की तरफ जा रहा था तो दोनों तरफ फास्ट फूड व सब्जी की रेहडियां लगी हुई थी और उनके पास बाइक खडे थे। रास्ता तंग होने के कारण टेंकर का पिछला टायर हाइवे द्वारा बनाए गए बरसाती नाले में जा गिरा और टेंकर आधा पलट गया लेकिन ट्रैक्टर नही पलटा और चालक बाल बाल बच गया। उसी समय दुकानदार व राहगीर इक्कठे हो गए और टेंकर को सीधा करने का प्रयास किया लेकिन उसमें पानी भरा था इसलिए वह सीधा नही हो सका। फिर इस टेंकर का सारा पानी वहीं बरसाती नाले में छोडक़र टैंकर को खाली किया और लोडर मंगवाकर सीधा किया गया। इस बारे में बातचीत करने पर सरपंच प्रतिनिधि सुखपाल सिंह ने कहा कि इस मार्ग पर लगने वाली रेहडियां ही इस घटना का कारण बनी। क्योंकि इन रेहड़ी वालों के पास अनेकों बाइक और अन्य वाहन खड़े रहने से गली तंग होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि इन रेहड़ी वालों को यहां से हटवाकर किसी और जगह पर स्थापित किया जाएगा।

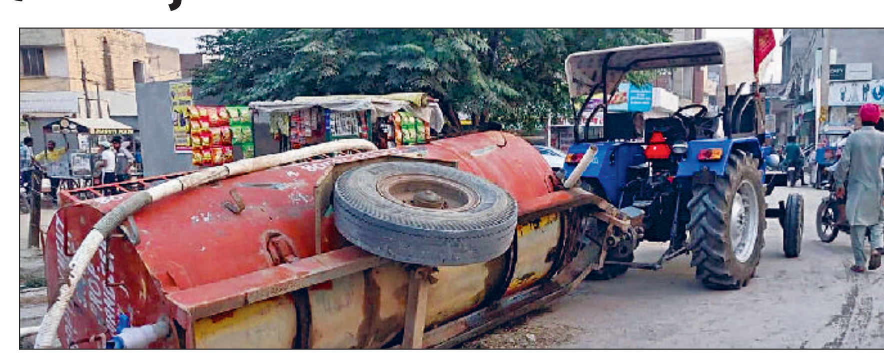

सिरसा। ग्रीन मार्केट में पलटा पानी का टैंकर। *फोटो : हरिभूमि*

प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारा साहिब में लगा शिविर

■ श्री गुरु रामदास जी सेवा सोसायटी द्वारा स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहर के पुराना बाजार स्थित गुरूद्वारा साहिब में श्री गुरु रामदास महाराज जी के प्रकाशोत्सव मौके श्री गुरु रामदास जी सेवा सोसायटी द्वारा स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जहां लोगों की डाक्टरों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच की गई व लैब टैस्ट किए गए व उन्हें समस्याओं से संबंधित निःशुल्क दवाईयां भी प्रदान की गई। श्री गुरु रामदास सेवा सोसायटी के सचिव हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि प्रकाशोत्सव मौके पर सोसायटी द्वारा संगत के लिए स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया। इस कैंप में कल्याण मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल की टीम डॉ. महेंद्रपाल के नेतृत्व में डॉ. रीचा, डॉ. उत्तम, भुवनेश गर्ग, सिंह लेबोरेट्री से परविंद्र सिंह के नेतृत्व में कपिल कुमार व हरदीप सिंह, अरोड़ा डेंटल क्लीनिक से डॉ. पीयूष अरोड़ा व मनप्रीत सिंह सहित शामिल हुए। कैम्प में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का डाक्टरों से परामर्श लिया व टीम ने लेबोरेट्री टैस्ट जिनमें कैल्शियम, एचबी, यूरिक एसिड, शूगर इत्यादि लैब टैस्ट निःशुल्क किए गए व समस्याओं से संबंधित निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सोसायटी द्वारा समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ समाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाता है और भविष्य में भी समाजिक कार्यों के अंतर्गत गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस दौरान कैंप में पहुंचे डाक्टरों की टीम का सोसायटी की तरफ से सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधान जगसीर सिंह, बंटी मोंगा, गुरविंद्र सिंह, शंटी मोंगा, सर्वजीत सिंह, अंग्रेज सिंह, रूपेश सिंह, अर्शदीप सिंह, अजैब सिंह सहित सेवादार मौजूद रहे।

रतिया। कैम्प में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते लोग। *फोटो : हरिभूमि*

शराब बेचता होटल मालिक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नाजायज शराब बेचने वालों की धरपकड़ करते हुए टोहाना पुलिस ने कमालवाला में होटल मालिक को शराब बेचते काबू किया है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि थाना शहर टोहाना पुलिस की टीम एएसआई करनैल सिंह के नेतृत्व में गश्त के दौरान टोहाना से नरवाना रोड पर जा रही थी तो उन्हें सूचना मिली कि फौजी होटल, कमालवाला गांव के अंदर नाजायज शराब बेची जा रही है। होटल का मालिक महाबीर सिंह पुत्र रामेश्वर निवासी कालवान शराब बेचने का काम करता है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि एक युवक होटल के पीछे खड़ा था। पुलिस ने उसे काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम महाबीर बताया। बाद में उसने बताया कि उसने 5 बोतल नाजायज देसी शराब भूसा पराली में छिपा रखी है।

योग शिविर में साधकों ने किया प्राणायाम का अभ्यास

■ लायंस क्लब रतिया सिटी समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए शहर में लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

लायंस क्लब रतिया सिटी समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्यरत है। क्लब सचिव गोपाल चंद कुलरियां ने बताया कि सुधा कामरा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के आह्वान पर द्वितीय सेवा सप्ताह के अंतर्गत 'फिट है तो हिट है' कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए 19 अक्टूबर से योग कैंप शुरू किया गया है। कैंप के दूसरे दिन साधकों को विभिन्न प्रकार की योग क्रियाएँ करवाई गई। प्राणायाम के साथ व्यायाम करके हम अपने शरीर को बिल्कुल तंदुरुस्त रख सकते हैं जो बीमारियां शरीर में आ चुकी है वह खत्म हो जाएंगी और नई बीमारियां कोई लगेगी नहीं। उन्होंने बताया कि यह कैंप 25 अक्टूबर तक लगेगा जिसमें जोड़ों घुटनों और सर्वाइकल के लिए विशेष व्यायाम करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पतंजलि योग समिति के सहयोग से श्री राम आश्रम मंदिर टिब्बा कॉलोनी रतिया में लगातार योग कक्षा चल रही है। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष प्रदीप बंसल, डॉ. नरेश गोयल, कुलवंत सिंगला, सुशील बबनपुरिया, विजय सिंगला, सतीश सिंगला, चमन लाल सिंगला आदि उपस्थित थे।

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया में सरदूलगढ़ रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रतिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में ढाणी खोखर, सरदूलगढ रोड, रतिया निवासी आसाराम ने कहा है कि उसका लडक़ा 21 वर्षीय गौरव गांव रतनगढ़ स्थित राइस मिल में काम करता था। गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर राइस मिल से वापस अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह सरदूलगढ़ रोड पर पहुंचा तो अज्ञात वाहन के चालक ने वाहन को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए गौरव के मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में गौरव सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में लोगों ने उसे उपचार के लिए रतिया के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उद्घाटन अवसर पर पहुंचेंगे दिग्गज खिलाड़ी

जीएनसी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं 23 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में 23 व 24 अक्तूबर को 67वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंद्र सिंह ने बताया कि 23 अक्तूबर को खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में भारतीय महिला हॉकी टीम की उपकप्तान, भीम एवार्डी एवं ओलंपियन नवनीत कौर मुख्यातिथि होंगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला हॉकी टीम की सेंटर फॉरवर्ड खिलाड़ी नवनीत कौर लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए जिला कुरुक्षेत्र की महिला यूथ आईकॉन भी रह चुकी हैं। प्राचार्य डॉ. संदीप गोयल की अध्यक्षता व शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. बलदेव सिंह के संयोजन में आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए विभिन्न समितियों का गठन करते हुए सभी तैयारियां संपन्न कर ली गई हैं। खेलकूद प्रतियोगिता के 24 अक्तूबर को समापन सत्र में सिरसा के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव जैन मुख्यातिथि व राजकीय महिला महाविद्यालय, रतिया के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. रविंद्र पुरी विशिष्ट अतिथि होंगे। आयोजन सचिव डॉ. बलदेव सिंह ने कहा है कि दो दिनों में सभी स्पर्धाएं संपन्न करवाना मुमकिन नहीं होता इसलिए पुरुष वर्ग की दस किलोमीटर व पांच किलोमीटर एवं महिला वर्ग की तीन किलोमीटर दौड़ की स्पर्धाएं आयोजित कर ली गई हैं। प्राचार्य डॉ. संदीप गोयल द्वारा झंडी दिखाकर शुरू की गई इन प्रतियोगिताओं के दौरान पुरुष वर्ग की दस किलोमीटर दौड़ में बीए प्रथम वर्ष के छात्र संदीप, बीए तृतीय वर्ष के अनिल, बीए द्वितीय वर्ष के अजय सिंह, पांच किलोमीटर दौड़ में संदीप, अनिल, बीए प्रथम वर्ष के रोहित सचदेवा व महिला वर्ग की तीन किलोमीटर दौड़ में बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा आशा, बीए द्वितीय वर्ष की सरिता, बीए प्रथम वर्ष की ओम शांति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान अर्जित किया है। इन प्रतियोगिताओं के आधार पर सत्र 2024-25 के लिए महाविद्यालय के पुरुष व महिला वर्ग के बेस्ट एथलीट घोषित किए जाएंगे।

सिरसा। ओलंपियन नवनीत कौर तथा प्राचार्य डॉ. संदीप गोयल झंडी दिखाकर प्रतियोगिता आरंभ करवाते हुए।